International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

भारत की नई शिक्षा नीति 2020 में स्नातक स्तर के छात्रों के नेतृत्व कौशल और सामाजिक प्रेरणा के विकास में छात्र कल्याणकारी गतिविधियों की भूमिका पर एक अध्ययन

Khushboo Rathore[1], Dr. Swati Jajoo[2]

[1]Research Scholar – Institute of Advanced Studies in Education, Bilaspur – Chhattisgarh (India)
[2]Principal, Maulana Azad College of Education, Bilaspur – Chhattisgarh (India).

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में भारत की नई शिक्षा नीति 2020 में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में उनके नेतृत्व कौशल को समझना बहुत आवश्यक है क्योंकि आज का समाज सामाजिकता और समाज हेतु स्वयं के कर्तव्यों को भूलता जा रहा है| राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल्यांकन हेतु विभिन्न दृष्टिकोण सामने आये है लेकिन इस दृष्टिकोण के बाद भी सामाजिक कल्याण और विद्यार्थियों के विकास में विश्वविद्यालय इन भूमिका का दस्तावेजीकरण कर रहा है| छात्र कल्याणकारी गतिविधियों को ज्ञान के नवाचार और व्यावसायीकरण के सामान ही महत्वपूर्ण माना जाता है | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ऐसी शिक्षा नीति बनाना चाहा गया है कि देश के कल्याण के साथ ही साथ उच्च शिक्षा स्तर की प्रणाली में नई संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाया और विद्यार्थियों में नेतृत्वता, अभिप्रेरणा, नैतिकता , कलात्मकता, सांस्कृतिकता, सामाजिक भावना, अभिलेखन क्षमता का विकास करना है| उच्च शिक्षा-नीतियों में एक महत्वपूर्ण नीति छात्र-कल्याणकारी गतिविधियों को सही दिशा देना व बढ़ाना है ताकि हर संभव प्रयास द्वारा युवा विद्यार्थियों का उत्थान हो सकें | युवा-कल्याणकारी विभाग छात्रों के लिए कई संभव पहल व जिम्मेदारी ले रहा है| एवं छात्र कल्याणकारी गतिविधियाँ इस प्रकार है- एन.एस.एस. और एन.सी.सी., खेल और खेल गतिविधियाँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, अभिलेखन गतिविधियाँ, रेड क्रॉस सोसाइटी, छात्र कल्याण संघ, इत्यादि| प्रस्तुत शोध के निष्कर्ष नए शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक स्तर के छात्रों के नेतृत्व कौशल और अभिप्रेरणा को आकार देने में कल्याण गतिविधियों की भूमिका के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

मुख्य अध्ययन बिंदु- युवा, कल्याणकारी गतिविधियाँ, सामाजिक अभिप्रेरणा, समाज , नेतृत्व कौशल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

1. प्रस्तावना

मनुष्य के जीवन में शिक्षा सर्वोपरि है क्योंकि जन्म से बालक जो भी आचरण और व्यवहार स्वयं में लाता है उसी आधार पर ही सौन्दर्य करण शिक्षा का यथोनिष्ट हो पाता है | (Saxena 596p.) शिक्षा के द्वारा ही हम समाज राष्ट्र और संस्कृति की उत्कृष्ट रक्षा कर सकते है | शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो बालक का सर्वांगीण विकास करती है, और साथ ही साथ बालक को योग्य बनाती है व्यक्ति को समाज में सुगठित बनाने में शिक्षा का ही योगदान होता है शिक्षा के द्वारा ही बालक के मन में ऐसे संस्कार पनपते है ,जो समाज प्रगतिशील जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत ही आवश्यक होते है | शिक्षा ही समाज के आदर्शों का और प्रक्रियाओं का भी विवेचन कराती है जब तक शिक्षा द्वारा बालक का कल्याण नहीं होगा तब तक न ही तब तक न ही समाज का और न ही छात्रों का कल्याण हो सकता है इसलिए छात्रों के कल्याण हेतु शिक्षा-रूपी उद्देश्यों, पाठ्यक्रमों एवं पद्धतियों आदि सभी में परिवर्तन एवं संशोधन द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (Jafarov and Aliyev) में छात्र कल्याण गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही गयी है ताकि छात्रों में वैज्ञानिक चिंतन शैली, रचनात्मक, तर्क संज्ञानात्मक, व्यवहार-विचार, किसी कार्य को करने में स्वयं सक्षम होना, साहस, नेतृत्व शैली का विकास एवं नैतिक मूल्यों का विकास हो सके |

उच्च शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक संस्था वह संस्था है जो छात्र कल्याण गतिविधियों को अधिक से अधिक बढ़ावा देकर प्रत्येक छात्रों में (Amudha Devi and Suresh) प्रेरणादायक शिक्षा ग्रहण कराकर उनको स्वयं की विशिष्ट क्षमताओं से अवगत कराना है| उच्च शिक्षा विभाग (Dunbar et al.) और विश्वविद्यालय अनुशासन, देशभक्ति की भावना, (Ministry of Human Resource Development) सामाजिक समरसता, सामाजिक संवेदनशीलता, नेतृत्वता, व्यक्तित्व विकास, और प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में एन.सी.सी., एन.एस.एस., स्पोर्ट्स, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अभिलेखन विकास क्षमता अद्वितीय है (T. Mathuvanthi et al.) क्योंकि यह छात्र कल्याण से संबंधित है| एक छोटा लेकिन अनुशासन समूह बनाकर राष्ट्र की रक्षा तैयारियों में योगदान देना के अलावा यह इकाइयां (Dubey)

प्रत्येक वर्ष प्रदर्शन हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करके विश्वविद्यालय को गौरवान्वित महसूस करवाती है | सभी महाविद्यालयों में एन सी सी एवं एन एस एस इकाइयाँ सक्रिय रूप से कार्य कर रही है|

2. संबंधित शोध का अध्ययन

पेंग (2018) माइक्रो सार्वजनिक कल्याण ने इंटरनेट युग में पारंपरिक सार्वजनिक भलाई का विस्तार किया है। कॉलेज के छात्रों पर ध्यान केंद्रित करना माइक्रो सार्वजनिक कल्याण को बाधित कर रहा है। यह लेख साझा अर्थव्यवस्था की सामाजिक और साझा विशेषताओं के माध्यम से माइक्रो सार्वजनिक भलाई का सामाजिककृत सह-संस्थाकरण पेश करता है। कॉलेज के छात्रों के अभ्यास में, "साझा + माइक्रो-राजनीतिक भलाई" नामक एक नया मॉडल उन आधारभूतों की लोकप्रियता और सार को प्रदर्शित करता है जो माईक्रो सार्वजनिक भलाई के लिए अद्वितीय हैं और अधिक सामाजिक मूल्यों को प्राप्त करते हैं।

कोर्निश (2020) प्रस्तुत अध्ययन में पता चलता है कि कल्याण उन्मुख शिक्षा ने कॉलेज रोजगार कार्यक्रमों में गरीब किशोरों को कैसे प्रभावित किया।2013 से 2015 तक एक बड़े दक्षिण पूर्व इंग्लैंड ईएफ कॉलेज में सात प्रशिक्षकों और 26 स्तर 1 रोजगार छात्रों का अध्ययन किया गया था। परेशान युवाओं को शिक्षित करना कल्याण को महत्व देता है। फ़ील्डवर्क डेटा आम तौर पर समस्याओं, विरोधाभासों, और कल्याण उन्मुख शिक्षण के अप्रमाणिक चरित्र को दर्शाता है: यह "सामाजिक वित्तीय शिक्षकों" को उत्पन्न करता है, जिनके पास एक कम शैक्षिक जोर था और वे पूरी तरह से कल्याणी कर्तव्यों में शामिल थे, जो चिकित्सा और कलेक्शन प्रथाओं के लिए पाठ्यक्रम को कम कर रहे थे। अच्छे इरादों के बावजूद, ऐसी प्रथाएं अक्सर असमानता को स्थापित करती हैं और लोगों को महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से रोकती हैं|

वु एवं उसके सहयोगी (2020) इस शोध में कमी कटौती अधिनियम (डीआरए) ने 2010 तक आवश्यक परिवारों के लिए अस्थायी सहायता (टीएनएफ) ब्लॉक अनुदान कार्यक्रम को फिर से अधिकृत किया और राज्यों को नौकरियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आदेश दिया। यदि राज्य इन मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, तो संघीय बजट पीड़ित हो सकता है। यह welfare-to-work engagement अध्ययन समीक्षा कार्यक्रम भागीदारी और परिवार की आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इस समीक्षा में, एलएफए और एचसीडी दृष्टिकोण, कार्यक्रम मॉडल, और प्रतिभागियों और संगठन केंद्रित रणनीतियां प्रभावी ढंग से एक साथ काम करती हैं।

शेट्टी एवं वी.(2020) कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गयी है। कंपनी की संपत्ति कर्मचारियों की है। नियोक्ता द्वारा प्रदान की गई सेवाएं, सुविधाएं और प्रोत्साहन कल्याण का गठन करते हैं. यह प्रेरित करता है. कर्मचारियों के कल्याण को काम करने वाले वर्ग के जीवन, व्यक्तित्व विकास आदि में सुधार करने के लिए जांच की जाती है। आवास, मुफ्त चिकित्सा देखभाल, सेवानिवृत्ति, बच्चों और वयस्कों के

शिक्षा, पारिवारिक कल्याण, ऋण, और अधिक कर्मचारियों के कल्याणा लाभ हैं। अनुसंधान वर्णक था। प्रश्नपत्रों में 60 प्रश्न पूछे गए थे। कंपनियों को कर्मचारियों के कल्याण को महत्व देना चाहिए। अधिकांश कर्मचारियों को प्रतिक्रिया के साथ सुधार होता है। कर्मचारियों के प्रदर्शन और कल्याण मीटर का विश्लेषण किया गया है।

लार्सलीडेन एवं निलहोल्म (2021) नेतृत्व, सहयोग, शिक्षक-छात्राओं के कल्याण और परिणाम। टीमों ने स्वास्थ्य प्रोत्साहन और रोकथाम से ऊपर "आग-विरोध" पर जोर दिया। एसएफएस 2010 800 स्वास्थ्य बढ़ावा और रोकथाम को बढ़ावा देता है, हालांकि प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण प्रचलित हैं। हमने एक स्वीडिश छात्र कल्याण टीम का मूल्यांकन किया जिसने इस अंतर को कम करने के लिए स्वास्थ्य बढ़ावा और रोकथाम विधियों का उपयोग किया। शोध प्रश्न: (1) क्या टीम अनुसंधान स्वास्थ्य बढ़ावा और रोकथाम है? (2) उनका कार्य शैली कैसे विकसित और बनाए रखा गया था? हम जानना चाहते हैं कि क्या छात्र वेलनेस टीमें स्वास्थ्य में सुधार करती हैं। छात्र कल्याण टीम स्वास्थ्य बढ़ावा और रोकथाम का समर्थन कैसे करता है?

यी एवं सुन (2023) यह अनुसंधान ज़ेजियांग प्रांत में सार्वजनिक कल्याण स्वयंसेवकों का सर्वेक्षण करता है। एक सर्वेक्षण तकनीक और बहु-स्तरीय नमूने का उपयोग करके तुलना अनुसंधान, सरल यादृच्छिक नमूना, और असमान संभावना नमूनी उपलब्ध डेटा के आधार पर तैयार किया गया था। हमने डेटा के आधार पर एक प्रश्नपत्र भी बनाया और नमूना गुणवत्ता नियंत्रण का अध्ययन किया। उदाहरण के लिए, अनधिकृत नमूने को बाहर रखा जाता है, और परिणाम यह है कि अधिकांश व्यक्तियों को सार्वजनिक भलाई में शामिल होने के लिए एक मजबूत उद्देश्य है, जबकि व्यावहारिक रूप से इसकी आकर्षण और वैधता को अनदेखा करते हैं।

3. शोध अध्ययन का उद्देश्य

किसी भी शोध अध्ययन का उद्देश्य शैक्षणिक समस्याओं का समाधान करके शिक्षा के जगत में ज्ञान की वृद्धि करना होता है | उपर्युक्त अध्ययन में आवश्यक है कि हमें छात्रों की सामाजिक गतिविधियों, छात्रों की उत्कृष्टता एवं कल्याणकारी कार्यों का ज्ञान हो, ताकि शिक्षा द्वारा संभव सुधारात्मक कार्य किया जा सके |

3.1 . इस अध्ययन उद्देश्यों में मौजूद शिक्षा प्रणाली में खामियों को समझना और उपचारात्मक उपाय सुझाना है -

1. विद्यार्थियों में सामाजिक कल्याणकारी कार्यों का अध्ययन करना |
2. विद्यार्थियों में सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों द्वारा सामाजिक अभिप्रेरणा का अध्ययन करना |
3. विद्यार्थियों में सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों द्वारा उनकी क्षमताओं का विकास करना |
4. विद्यार्थियों में सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना |
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों में सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों की व्यवस्था का अध्ययन करना |

4. सामाजिक छात्र सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका :

1. **सामाजिक कुशलता का विकास करना-** नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थियों में सामाजिक कुशलता को विकसित करना है और विद्यार्थियों को व्यवसायों और उद्योगों के प्रति कुशल बनाए ताकि वह समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध हो|
2. **कुशल नेतृत्व हेतु आवश्यक प्रशिक्षण देना -** राष्ट्र के निर्माण में (Aelita Skarbalienė) कुशल नेतृत्व प्रदान करने वाले की आवश्यकता होती है, (Waubanascum et al.) एन.एस.एस. व एन.सी.सी., स्पोर्ट्स,एवं कई ऐसे कौशल पूर्ण प्रशिक्षण कक्षाएं है जो बालक को सही दिशा प्रदान करती है जिससे बालक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक, सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सके |
3. **सामाजिक भावना व भावात्मक एकता का विकास जागरूक करना -** हमारे देश में विभिन्न सम्प्रदाय, जाती धर्म के लोग एक साथ रहते है और सदैव प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी विकास उन्नति को लेकर अग्रसर है ("Student Welfare") ऐसे में प्रत्येक नागरिक के भीतर सामाजिक भावना का विकास करना और उसे अनुशासन परोपकार, नेतृत्व, दया, पारस्परिकता, सद्भावना, इत्यादि गुणों का विकास करना बहुत जरूरी है|
4. **योग्य नागरिकों का निर्माण करना -** शैक्षणिक व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण काम होता है नई शिक्षा नीति में योग्य नागरिक बनाए रखने हेतु भारतीयता की जड़ों को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है प्रत्येक छात्रों को अपने अधिकारों, उत्तरदायित्वों एवं कर्तव्यों को निभाना होगा|
5. **जीवन कौशल का विकास करना -** नई शिक्षा नीति में छात्रों के कल्याण हेतु नवयुवकों में कार्यकुशलता लाने और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने के लिए जीवन कौशल को बढ़ाने, आपसी सहयोग करने और शैक्षणिक प्रणाली में लचीला पण लाने पर जोर दिया गया है |

5. शोध प्रविधि

अपनाई गयी कार्यप्रणाली माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के आलोक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा करती है और घोषित विश्लेषणात्मक प्रक्रिया का उपयोग करते हुए वर्तमान नीतियों के साथ इसकी तुलना करती है |

6. छात्र कल्याणकारी गतिविधियाँ:

छात्र कल्याणकारी गतिविधियाँ (Kumar and Chavan) छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर बनायी गयी एक कमिटी है ताकि छात्रों को केन्द्रित शिक्षण और सीखने का माहौल मिले जिनमें वह खुलकर बड़ी ही सहजता के साथ अपनी भागीदारी भी दे सके | छात्रों को राष्ट्रीय स्तर एवं क्षेत्रीय स्तर पर पेशावर रूप से योग्य बनाना है | (*Dean, Students' Welfare | University of Hyderabad*) इस प्रकार की गतिविधियाँ विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में छात्रों की आवश्यकताओं हेतु बनायी जाती है ताकि प्रत्येक छात्र में सकारात्मक बढ़े, तथा मनो-व्यक्तिगत प्रेरणा और मार्गदर्शन मिले जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके |

अतः छात्र कल्याण गतिविधियाँ निम्न लिखित कार्य करती है-

- **मध्यस्थता विकसित करना-** छात्र कल्याण के सम्बन्ध में महाविद्यालय और महाविद्यालय की वेबसाइट पर हेल्प बॉक्स के माध्यम से छात्रों के सुझाव लेते हुए छात्रों और प्रशासन के बीच एक (Waubanascum et al.) सामाजिक अभिप्रेरणा की मध्यस्थता के रूप में कार्य करती है|
- **महाविद्यालय काउंसलर से परामर्श करना -** मेंटर- प्रोग्राम के कार्यान्वयन द्वारा (Ronaldo) मजबूत छात्र-शिक्षक सम्बन्ध और सामंजस्यता विकसित करना और मनोवैज्ञानिक मुद्दों वाले छात्रों को स्वयं और दूसरों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में मदद करना है |
- **स्वच्छता -** परिसर में सामान्य स्वच्छता रखना, कैंटीन और खाद्य स्वच्छता, भवन रखरखाव और स्वच्छता , पानी पीने के जांच का भी कार्य छात्र कल्याण समिति का ही होता है |
- **प्लेसमेंट कैम्प -** महाविद्यालय में छात्रों की नौकरी के लिए तैयार करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, (Nunung Khoiriyah et al.) इससे प्लेसमेंट सेल कैम्प मजबूत होती है और उन्हें मौजूदा प्लेसमेंट सेल गतिविधियों से अवगत करना , छात्रों को पंजीकरण करने और बड़ी संख्या में विशेष रूप से गैर वाणिज्य विभागों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है |
- **पैरेंट मीटिंग आयोजित करना -** विशेष बैठकें आयोजित करना उन छात्रों के माता-पिता के साथ जो कक्षाओं में भाग लेने में विफल रहते है और कक्षा में कम प्रदर्शन दिखाते है, (Park) छात्रों के कल्याण

के लिए स्टाफ काउंसलिंग कमिटी के साथ समन्वयन करना एवं छात्र कल्याण सुर विकास से संबंधित किसी भी प्रकार के क्षेत्र के लिए महाविद्यालय के अधिकारियों का नोटिस को करना और उसके लिए किसी भी कार्यक्रम की योजना बनाना तथा क्रियान्वित करने में मदद करना है |

- **जागरूकता लाना -** छात्र स्तर पर व्यक्तित्व विकास हेतु कक्षाओं में भाग लेने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना, साथ ही साथ छात्रों के कल्याण व विकास के लिये शुरू की गयी (Lee et al.) विभिन्न योजनाओं, पाठ्यक्रमों, और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाना जैसे कि चिकित्सा सुविधाएं, जांच परीक्षण, रक्त परीक्षण और आंतरिक शिकायत की समितियों का गठन करना है|
- **छात्र कल्याण अधिकारी -** अपर्याप्त रूप से छात्रों की समस्याओं को जब सम्हाला नहीं जाता है तब छात्र कल्याण अधिकारी सदैव ही सभी छात्रों के लिए फ़ोन या व्यक्तिगत रूप से किसी भी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहता है| छात्र कल्याण अधिकारी को छात्रों या नीतियों से संबंधित सभी बैठकों में आमंत्रित किया जाना चाहिए ताकि वे जितनी जल्दी हो सके युवा छात्रों की समस्याओं पर समाधान दे सकें|

7. निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य केन्द्रण युवा छात्रों के हितों में ध्यान में रखकर विद्यालयों, महाविद्यालयों, व विश्वविद्यालयों में उपयुक्त साधन, कुशल व उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना है | छात्र कल्याणकारी गतिविधियाँ छात्र को कौशल प्रदान करने के साथ ही साथ अपने को बढ़ाने का मौका, नेतृत्वता, सामाजिक अभिप्रेरणा देती है इससे ज्ञान की वृद्धि, कौशल, बुद्धि, कुशल-व्यवहार, उत्कृष्ट-कार्यशैली में वृद्धि एवं सामाजिक मूल्यों में बढ़ोतरी होगी, ताकि सही मायनों में छात्र एक कल्याणकारी वैश्विक नागरिक बन सके एक छात्र के विकास हेतु नई शिक्षा नीति- 2020 को सभी प्राथमिक विद्यालय से लेकर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय तक छात्र कल्याण गतिविधियों पर बल देना अति आवश्यक है | इस 21वीं सदी में युवा छात्रों को सभी गुणवत्ता से परिपूर्ण होना होगा तभी भारतीय युवा इस देश को विकसित देश गढ़ पायेगा|

Reference-

1. Aelita Skarbalienė. “Development of Leadership Competencies during Studies at an Institution of Higher Education: Students’ Opinion.” *Intech Open Science Open Mind*, 1 Feb. 2017, https://doi.org/10.5772/65269. Accessed 25 June 2023.
2. Amudha Devi, N.V., and Sruthi Suresh. “Self –Esteem and Achievement Motivation among Female NCC Cadets and Non-NCC Cadets.” Indian Journal of Mental Health(IJMH), vol. 4, no. 1, 18 Apr. 2017, p. 76, https://doi.org/10.30877/ijmh.4.1.2017.76-82. Accessed 31 Jan. 2020.
3. Cornish, Carlene. “Student Welfare: Complexity, Dilemmas and Contradictions.” Research in Post-Compulsory Education, vol. 24, no. 2-3, 3 July 2019, pp. 173–184,

https://doi.org/10.1080/13596748.2019.1596413. Accessed 4 Jan. 2020.

4. *Dean, Students' Welfare | University of Hyderabad*. uohyd.ac.in/dean-students-welfare/. Accessed 12 May 2023.
5. Dubey, Ruchi. "EMOTIONAL INTELLIGENCE and ACADEMIC MOTIVATION among ADOLESCENTS: A RELATIONSHIP STUDY." *International Journal of Multidisciplinary Research*, vol. 2, no. 3, 2012, www.zenithresearch.org.in/images/stories/pdf/2012/March/ZIJMR/10_ZEN_VOL2_ISSUE3_MARCH12.pdf.
6. Dunbar, Robert L., et al. "Student Social Self-Efficacy, Leadership Status, and Academic Performance in Collaborative Learning Environments." *Studies in Higher Education*, vol. 43, no. 9, 22 Dec. 2016, pp. 1507–1523, https://doi.org/10.1080/03075079.2016.1265496. Accessed 25 Sept. 2021.
7. Jafarov, Sarkhan, and Yusif Aliyev. "Education Policy and Leadership." *International Journal of Innovation and Economic Development*, vol. 7, no. 6, Jan. 2022, pp. 14–23, https://doi.org/10.18775/ijied.1849-7551-7020.2015.76.2002. Accessed 6 Apr. 2022.
8. Kumar, N. Vinod, and Vijaya Kumar Chavan. "Social Welfare Schemes Utility by High School Students." *International Journal of All Research Education & Scientific Methods*, vol. 10, no. 06, 2022, https://doi.org/10.56025/ijaresm.2022.10624. Accessed 12 July 2022.
9. Larsliden, Bibbi, and Claes Nilholm. "Is It Possible for Pupil Welfare Teams to Work Health Promoting and Preventively? – a Case Study." *International Journal of Inclusive Education*, 21 June 2021, pp. 1–15, https://doi.org/10.1080/13603116.2021.1941315. Accessed 5 Dec. 2021.
10. Lee, Barbara, et al. "Examining Cross-Cultural Child Welfare Practice through Simulation-Based Education." *Clinical Social Work Journal*, vol. Vol- 49, no. ISSUE- 2, 11 Jan. 2021, pp. 271–285, ouci.dntb.gov.ua/en/works/7WazVWXl/, https://doi.org/10.1007/s10615-020-00783-8. Accessed 12 Mar. 2021.
11. Ministry of Human Resource Development. *National Education Policy 2020 Ministry of Human Resource Development Government of India*. 2020.
12. Nunung Khoiriyah, et al. "EVALUATION of COMMUNITY DEVELOPMENT IMPLEMENTATION in PRACTICUM II SOCIAL WELFARE STUDENTS of UIN SYARIF HIDAYATULLAH JAKARTA in the COVID-19 PANDEMIC." *Empati*, vol. 10, no. 2, 15 June 2022, pp. 104–114, https://doi.org/10.15408/empati.v10i2.26538. Accessed 1 Oct. 2023.
13. Park, S. S. "The Recognition of College Students in the Social Welfare Major in the Direction of Multicultural Family Support Policy in Korea." *International Journal of Recent Technology and Engineering*, vol. 8, no. 2S6, 16 Sept. 2019, pp. 255–258, https://doi.org/10.35940/ijrte.b1048.0782s619. Accessed 11 Dec. 2021.
14. Peng, Yun. ""Study on the Micro Public Welfare Activities of College Students Based on Sharing Economy." Atlantis Press, 2018. Web." *Advances in Social Science, Education and Humanities Research (ASSEHR),* vol. volume 184, no. 10.2991/icesem-18.2018.39 ISSN 2352-5398, pp. 2nd International Conference on Education Science and Economic Management (ICESEM 2018), https://doi.org/10.2991/icesem-18.2018.39.
15. Ronaldo, A. "Assessment of Student Welfare Programs in the State University and Colleges of Samer Island "." *ISSN:2456-6470 | VOLUME-3ISSUE-3, Pp.832-836*, Published in International Journal of Trend in scientific Research and Development (ijtsrd) , Apr. 2019, www.ijtsrd.com/papers/ijtsrd23175. Accessed Apr. 2019.

16. Saxena , N.R.Swaroop. *Teacher in Emerging Indian Society* . 2012. Edited by Shikha Chaturvedi, 2012th ed., Meerut, Meerut R. Lall. 2012 - 596p.;22cm., 2012, p. 596p.;22cm.
17. Shetty, Bhaskar, and Shree Vidya V. "A Study on Employee Welfare and Safety Measure Practiced in BESCOM Bangalore South." *International Journal of Trend in Scientific Research and Development*, vol. Volume-3, no. Issue-4, 30 June 2019, pp. 723–725, https://doi.org/10.31142/ijtsrd23890. Accessed 3 Dec. 2020.
18. "Student Welfare." *WISE Project*, www.wise-project.eu/student-welfare/.
19. T. Mathuvanthi, et al. "Participation in Extracurricular Activities and Associated Factors among Jaffna Medical Students." *Jaffna Medical Journal*, vol. 35, no. 1, 11 Aug. 2023, pp. 20–26, https://doi.org/10.4038/jmj.v35i1.180. Accessed 9 Jan. 2024.
20. Vu, Catherine M., et al. "Strategies for Engaging Adults in Welfare-To-Work Activities." *Families in Society: The Journal of Contemporary Social Services*, vol. 90, no. 4, Oct. 2009, pp. 359–366, https://doi.org/10.1606/1044-3894.3929. Accessed 4 Dec. 2020.
21. Waubanascum, Cary, et al. "The Center for Regional and Tribal Child Welfare Studies: Students' Experiences of an Anishinaabe-Centered Social Work Education Program." *Children and Youth Services Review*, vol. 136, May 2022, p. 106450, https://doi.org/10.1016/j.childyouth.2022.106450. Accessed 26 Apr. 2022.
22. Xie, Meng, et al. "Social Motivation and Deep Approaches to Learning: A Nationwide Study among Chinese College Students." *Higher Education*, vol. vol- 85, no. issue 3, 24 Apr. 2022, https://doi.org/10.1007/s10734-022-00860-6.
23. Yi, Biaoxiong, and Yu Sun. "A Survey on Public Welfare Cognition of College Students in 2023." *Academic Journal of Management and Social Sciences*, vol. 2, no. 1, 28 Mar. 2023, pp. 156–159, https://doi.org/10.54097/ajmss.v2i1.6606. Accessed 12 May 2023.